हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 15 जहां कोई वापसी नहीं

1. औद्योगिकीकरण से आप क्या समझते हो?

उत्तर: तकनीकी उपकरण तथा तकनीकी का प्रयोग करके प्रगति और विकास के लिए किया गया प्रयास औद्योगिकीकरण कहते हैं।

2. विरोध के कौन – से स्वरूप का इस्तमाल, अमझर गांव वालो ने किया ?

उत्तर: लेखक अनुसार किसी बात का विरोध चुप रहकर करना और सत्य का आग्रह करना मूक सत्याग्रह कहलाता है।औद्योगिकीकरण के विरोध में अमझर गांव के लोगो ने यहीं सत्याग्रह किया था।

3. गांव वालो की जीवन शैली के विषय में गांव वालो ने क्या कहा है?

उत्तर: गांव के अन्तर्गत पवित्र खुलापन था और इस पवित्र खुलेपन के अन्तर्गत सभी सम्बन्धों को पवित्र रखा जाता था तथा इसके तहत ही खुल कर बोला जाता था।लेखक ने अमझर गांव के लोगो की जीवनशैली को भी इसी खुलेपन के अंदर रखकर ही बताया गया है।

4. गांव में खेती करती हुई स्त्रियों के विषय में लेखक ने क्या कहा हैं?

उत्तर: हिम्मत करके जब लेखक गांव के अंदर गए तो उन्होंने देखा कि वहां सिर्फ स्त्रियां है और सभी एक कतार में झुक हुई है और धान के पौधे खेतों में लगा रही हैं।वह सभी स्त्रियां सुडौल, सुंदर, धूप में चमचमाती काली टांगे और उनके सिर पर चटाई के किष्तिनुमा हैट जो फोटो और फिल्मों में देखे हुए वियतनामी और चीनी स्त्रियों कि याद दिलाता है।

5. संपदा अभिशाप हैं?संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: लेखक के अनुसार किसी क्षेत्र में अधिक खनिज संपदा होना उस क्षेत्र के लिए वरदान नहीं बल्कि अभिशाप है क्योंकि उस संपदा को पाने के लिए उसका दोहन करते हैं और उस क्षेत्र को उजाड़ दिया जाता है और वह क्षेत्र बर्बाद हो जाता है।

लघु उत्तरीय क्षेत्र (3 अंक)

6. आम के पेड़ों के संबंध में लेखक ने क्या – क्या कहा हैं?

उत्तर: सिंगरौली क्षेत्र के एक गांव का जिक्र करते हुए लेखक बताते हैं कि वहां एक अमझर नामक एक गांव हैं को की दरअसल दो शब्दो के मेल से बना है जिसका अर्थ होता है आम और उसका पककर झरना। जहा आम झरते हो उसे लेखक ने अमझर कहा हैं।जब से गांव में यह घोषणा पहुंची हैं कि अमरौली प्रोजेक्ट के तहत नवागांव के कई गांवों को ख़तम कर दिया जाएगा तब से इन आम के पेड़ो ने अपनी हरियाली को त्याग दिया जैसे मानो प्रकृति को खुद ही पता चल गया कि एब यहां उनका कोई काम नहीं क्योंकि एब यहां इंसान नहीं रहेगा इसके परिणामस्वरूप ही अमझर गांव में सूनापन हैं।

https://www.evidyarthi.in/

7. पेड़ो से आदमियों के रिश्ते के विषय में लेखक ने क्या कहा हैं?

उत्तर: मनुष्य का प्रकृति के साथ सम्बन्ध बहुत पुराना है। आदिकाल से ही मनुष्य प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीता आया है।मनुष्य जब निराश होता है तो इसका असर प्रकृति पर भी नजर आता है।पेड़ हमेशा से मनुष्य की सभ्यता को बढ़ाते हुए आया हैं और इसने इनका लालन पालन भी किया है।जब मनुष्य ही क्षेत्र से हट जाएंगे तो पर कैसे प्रसन्न होगे।इसके परिणामस्वरूप जब मनुष्य ही स्थान से चला जाएगा तो पेड़ कैसे जीवट रहेंगे।

8. प्रकृति, संस्कृति इंसानी सभ्यता के लिए कैसे जरूरी है?

उत्तर: प्रकृति का संस्कृति के साथ सम्बन्ध आदिकाल से ही चला आ रहा है और यह सम्बन्ध बहुत गहरा है।है तरह की इंसानी सभ्यता और संस्कृति का जन्म पेड़ में होता है।मनुष्य का लालन पोषण पेड़ों ने किया है।संस्कृति विकास के साथ इंसानी विकास के साथ प्रकृति के विकास के साथ बड़ी ही नाज़ुक कड़ी के साथ जुड़ा हुआ है। यदि इनमें से के भी कड़ी टूटी तो सारी कड़ी ही टूट जाएगी। इसलिए हमे हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इनके बीच सम्बन्ध हमेशा रहे और यह कड़ी कभी भी ना टूटे।

9. भारत और यूरोप की पर्यावरण की चिंता भिन्न हैं , कैसे ?

उत्तर: भारतीय लोगो में प्रकृति की चिंता , इंसान और इसके बीच ख़तम हो रहे पारस्परिक और पारंपरिक सम्बन्ध से हैं।क्योंकि यह हमसे संस्कृति भावनात्मक तरीके से जुड़ी हुई हैं।यूरोप में इसकी चिंता का विषय भूगोल और इंसान के बीच असंतुलन को लेकर हैं। भारतीय में ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर प्रकृति नहीं तो संस्कृति भी अपना अस्तित्व खो देगी।

10. तत्कालीन समय में पर्यायवारण के मुख्य संकट क्या हैं?

उत्तर: तत्कालीन समय में पर्यावरण का मुख्य संकट औद्योगिकीकरण हैं।सरकार ने औद्योगिकीकरण के नाम पर उपजाऊ और हरे भरे स्थानों को नष्ट कर दिया है।इसका नकारात्मक प्रभाव हमारे वातावरण पर पड़ा परिणामस्वरूप प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है।

औद्योगिकीकरण के कारण विकास तो हुए परंतु प्रदूषण भी बड़ गया।इससे भूमि, वायु , जल सभी बुरी तरह से प्रभावित हुए है।प्रदूषण के कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है सौंदर्य भी नष्ट हो गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

11. 'नए शरणार्थी' से लेखक का क्या आशय हैं?

उत्तर: कवि ने ' नए शरणार्थी ' उन्हें कहा जो औद्योगिकीकरण की वजह आपने गांवों को छोड़ कर किसी दूसरे स्थान पर गए हैं। इन लोगो ने भारत के विकास के लिए अपना घर, खेत सब कुछ न्योछावर के दिया है। यह लोग औद्योगिकीकरण के नाम पर विस्थापन का दर्द सहन कर रहे हैं। यह दो बार विस्थापन का दर्द सहन कर चुके हैं एक विभाजन के समय और एक अब औद्योगिकीकरण के नाम पर। इन्हीं लोगों को लेखक ने ' नए शरणार्थी ' के नाम से संबोधित किया हैं।

12. लेखक ने कितने तरीके से विस्थापन के बारे में बताया हैं?

उत्तर: लेखक ने दो तरह से इस विस्थापन को बताया हैं को की इस प्रकार हैं –

https://www.evidyarthi.in/

(1) पहला, जो विस्थापन प्रकृति के कारण मिलता हैं।इसमें लोगो को क्षति पहुंचती हैं मगर कुछ समय में वह उसे पुनः प्राप्त कर लेते हैं कुछ समय के लिए उन्हें अपने स्थान से विस्थापित होना पड़ता है परन्तु वह अपनी ज़मीन से एफआर से जुड़ जाते हैं।

(2) दूसरा, औद्योगिकीकरण के कारण इसमें हुए विस्थापित लोगो को बहुत क्षति पहुंचती हैं परन्तु वह इस क्षति कि भरपाई नहीं के पाते और ना पुनः अपनी ज़मीन को प्राप्त कर सकते एक बार विस्थापित होने पर उन्हें अपने लिए रहने के लिए नया स्थान तलाश करना पड़ता है।

13 भारत स्वतंत्रता के बाद सबसे बड़ी ट्रैजेडी क्या हुई।पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर: स्वतंत्रता पश्चात लोगो ने विकास और प्रगति को प्राप्त करने के लिए औद्योगिकीकरण का मार्ग चुना क्योंकि उनका विश्वास था इससे भारत पुनः अपने पैरो पर खड़ा हो सकता है। यह सबकी राय नहीं थी केवल पश्चिमी लोगो की परंतु लोगो ने नकल करने के चक्कर में संस्कृति और प्रकृति का प्रेमभरा सम्बन्ध नष्ट के डाला। नकल ना करने की जगह अगर हम कोई और उपाय का प्रयोग करते तो यह सम्बन्ध भी न टूटता और प्रगति और विकास भी होता।हम भारतीय लोगो अपनी क्षमताओं और विवेक पर विश्वास नहीं किया और पश्चिमी देशों की नकल करने पर उतारू हो गए। लेखक अनुसार भारत स्वतंत्रता पश्चात यही सबसे बड़ी ट्रैजेडी हैं।

14. अंग्रजी राज भारत को अपनी संस्कृति में पूरी तरह सींच पाने में असफल रहा ? क्यों?

उत्तर: अंग्रजों ने भारतीय लोगो को अपनी ' संस्कृतिक कॉलोनी में बदलने का पूर्ण प्रयास किया परन्तु वह ऐसा करने में असफल रहे क्योंकि यूरोप कि तरह यहां की संस्कृति किसी संग्रहालयों में जमा नहीं थी। यहां के लोगों की संस्कृति लोगो के अंदर जीवित थी जो प्रेम उन्हें उनकी धरती , जंगल और ज़मीन से अंदरूनी रूप से जुड़ा हुए था उन्हें इससे अलग करना नामुमकिन था।प्रकृति के साथ मनुष्य का सम्बन्ध सदैव एक अदृश्य लिपि में रहता था। जबकि यूरोप में प्रकृति का प्रश्न मनुष्य और भूगोल में सम्बन्ध बनाए रखना था। इससे कारण कोई भी राजा या राज भारतीय लोगो में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहा।

15. लेखक ' निर्मल वर्मा के जीवन परिचय पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: सन् 1929में शिमला में इनका जन्म हुआ था।दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटस्टेफ़न कॉलेज से इतिहास में एम ए किया आय अध्यापन का कार्य किया।1959 में चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य- विद्या प्रग संस्थान से निमंत्रण पर वह गई और चेक के उपन्यासों और कविताओं का उल्लेख किया।इन्हे हिंदी के समान ही अंग्रजी पर भी अधिकार प्राप्त था।उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स और टाइम्स ऑफ इंडिया के अख़बारों के लिए यूरोप की राजनीतिक और सांस्कृतिक पर अनेक लेख और रिपोर्ट लिखे हैं जो उनके निबन्ध संग्रह में संकलित हैं।1970में वह भारत लौटी और स्वतंत्र लेख लिखे लगी। कथा साहित्य के क्षेत्र में इनका प्रमुख योगदान रहा। वह नई कहानी आंदोलन हस्ताक्षर के लिए जानी जाती थी।परिंदे, जलती झाड़ी, तीन एकांत, पिछली गर्मियों में, बीच बहस में, वे दिन तथा अंतिम अरण्य उपन्यास इस दृष्टि से उल्लेखनीय हैं।रात का रिपोर्टर इस पर एक कार्यक्रम भी बनाया गया यह भी इनकी ही रचना थी। हर बारिश में , चीडो पर चांदनी , दुंध से उठती धुन में सभी यात्रा संस्मरण में संकलित हैं। शब्द और स्मृति तथा कला का जोखिम और ढलान से उतरते हुए सभी इनके निबन्ध संग्रह में हैं। 1985में उन्हें कव्वा और काला पानी पर उन्हें अकादमी पुरस्कार मिला ।ईसाई प्रकार उन्हें कई और अलग पुरस्कारों से सम्मनित किया गया है।

https://www.evidyarthi.in/